Date ________
Page ________

राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पाठ्यचर्या कल्पना।
(Curriculum Visualised AT National and State Level)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) ने सबके लिए समान शिक्षा तथा शिक्षा के राष्ट्रीय मूल्य शामिल करने की बात कही है तथा यह भी सुनिश्चित हो कि हमारे सभी शैक्षिक मूल्य (कार्यक्रम) धर्मनिरपेक्षता के अनुरूप ही आयोजित हो।

वर्तमान सन्दर्भ में कुछ ऐसे बदलाव हुये हैं जिन्हे पाठ्यक्रम को सम्बोधित करना चाहिए जिनमे सब से महत्वपूर्ण यह है सभी बच्चों को एक ऐसे कार्यक्रम से जोड़ना उन्हे विद्यालय में टिकाये रखना पाठ्यचर्या की रूपरेखा में सार्वभौमिक प्रारम्भिक शिक्षा (Universal Elementary Education) के लिए प्रतिबद्धता भी दिखनी चाहिए।

एक असमान प्राकृतिक व सामाजिक वातावरण मानव सम्बन्धो में तनाव लाता है बच्चे प्रायः काफी कुछ अपने समाज और अपने परिवेश से ही सीखते हैं।

पाठ्यचर्या संगठन सम्बन्धी कुछ विशिष्ट भारतीय प्रयोग -;

बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में, गोखले, तिलक, दयानन्द, गांधी रवीन्द्र नाथ टैगोर, अरविन्द घोष, स्वामी विवेकानन्द आदि विचारकों ने शिक्षा के जगत में भारतीयों को प्रोत्साहित किया।
इनके कुछ शैक्षिक प्रयोग इस प्रकार है।

(i) टैगोर का शान्ती निकेतन (विश्व भारती)
(ii) गुरुकुल प्रणाली
(iii) बुनियादी शिक्षा
(iv) अरविन्द आश्रम (अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र)

शान्ति निकेतन (विश्व भारती)

महर्षि देवेन्द्र नाथ के घर 6 मई 1861 को रवीन्द्र नाथ टैगोर का जन्म हुआ। पिता देवेन्द्र नाथ समृद्ध परिवार से सम्बन्ध रखते थे और रवीन्द्र की शिक्षा भी बड़ी सम्मान के साथ आरम्भ हुयी पर आजादी में पारंगत रवीन्द्र नाथ का मन उस समय की विद्यालयी शिक्षण व्यवस्था से असन्तुष्ट था।

1863 ई० में महर्षि देवेन्द्र नाथ ने कलकत्ता से लगभग 100 मील दूर बोलपुर नामक रमणीक स्थान पर एक आध्यात्मिक संस्था की स्थापना की। रवीन्द्रनाथ भी अपने पिता के साथ वहां जाकर प्रकृति का अवलोकन करते थे।

उसी आश्रम में सन 1901 में टैगोर जी 'शान्ति निकेतन' की स्थापना की। शान्ति निकेतन में गुरुकुल की भांति शिक्षा व्यवस्था थी। प्रकृति के मध्य अध्यापक केवल प्रेरणा / क्रिया-निर्देश का कार्य करता था।

उच्च शिक्षा की कमी को दूर करने के लिए 6 मई 1921 को शान्ती निकेतन में ही विश्व भारती की स्थापना की।

विश्व भारती में आवासीय सह-शिक्षा है। भारतीय संसद ने सन 1951 में विश्व भारती को एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की है।